चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 26 मई 2026, अंक –289.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

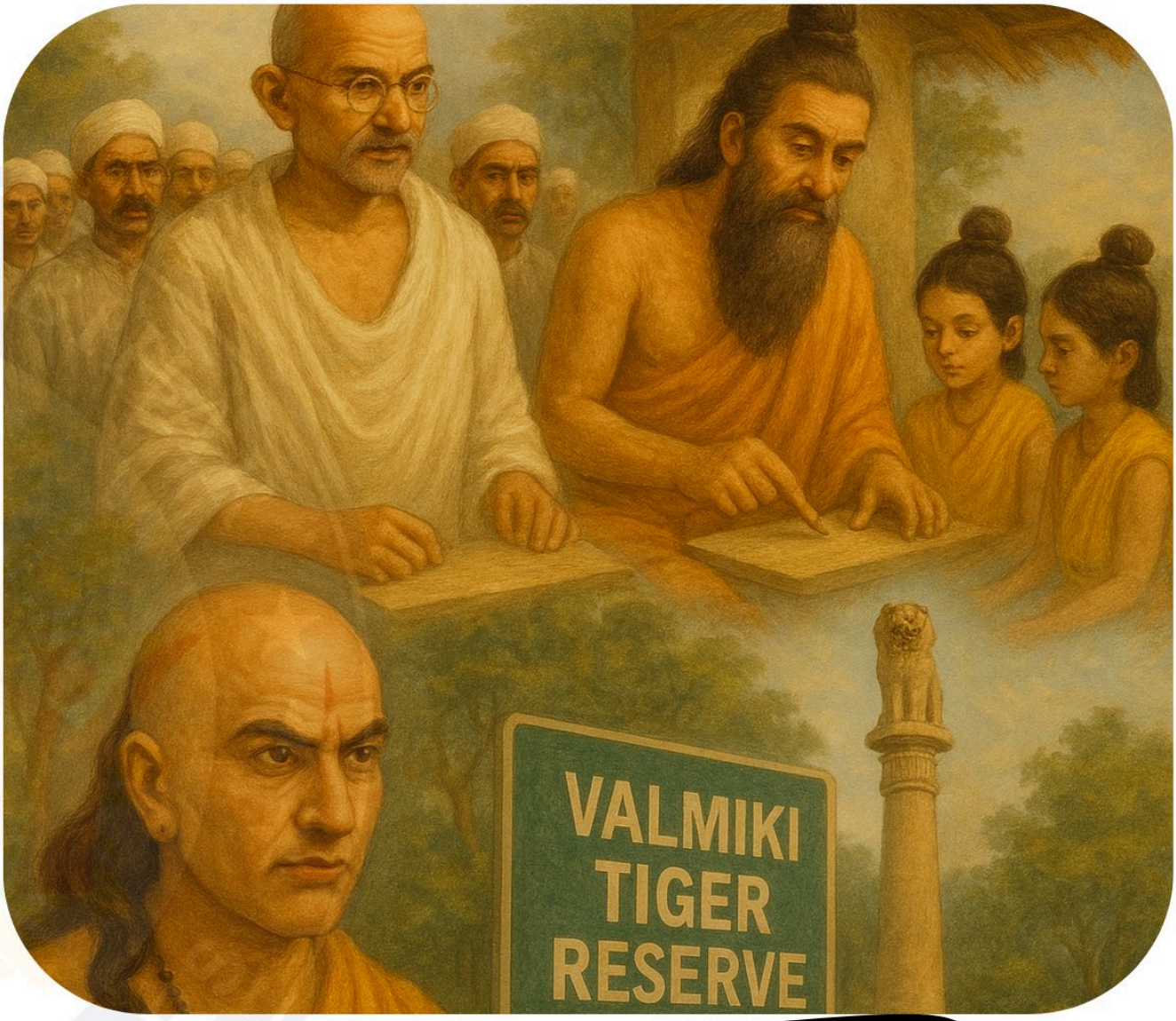

"साहस के बिना जीवन एक नीरस यात्रा है।"

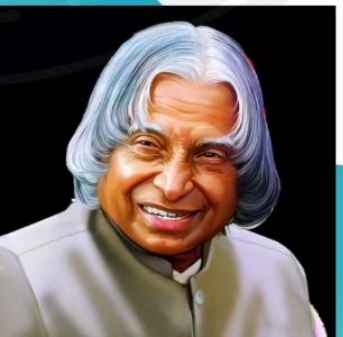

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Tuesday Prayer

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।
तेरी रंगभूमि, यह विश्व भरा,
सब खेल में, मेल में तू ही तो है॥

सागर से उठा बादल बनके,
बादल से फटा जल हो करके।
फिर नहर बना नदियाँ गहरी,
तेरे भिन्न प्रकार, तू एक ही है॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।

चींटी से भी अणु-परमाणु बना,
सब जीव-जगत् का रूप लिया।
कहीं पर्वत-वृक्ष विशाल बना,
सौंदर्य तेरा, तू एक ही है ॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।

यह दिव्य दिखाया है जिसने,
वह है गुरुदेव की पूर्ण दया।
तुकड़िया कहे कोई न और दिखा,
बस मैं अरु तू सब एकही है॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।
तेरी रंगभूमि, यह विश्व भरा,
सब खेल में, मेल में तू ही तो है॥

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. तुर्की की राजधानी क्या है?
उत्तर: अंकारा
प्रश्न 2. भारत के राष्ट्रीय ध्वज का निर्माण किसने किया था?
उत्तर: पिंगली वेंकैया
प्रश्न 3. 'हॉर्नबिल उत्सव' में मुख्यतः किस जनजातीय संस्कृति का प्रदर्शन किया जाता है?
उत्तर: नागा
प्रश्न 4. 1 से 100 तक कुल कितनी सम संख्याएँ होती हैं?
उत्तर: 50
प्रश्न 5. बिहार का कौन-सा शहर 'मखाना नगरी' के नाम से प्रसिद्ध है?
उत्तर: दरभंगा
प्रश्न 6. बंदीपुर टाइगर रिजर्व किस राज्य में स्थित है?
उत्तर: कर्नाटक
प्रश्न 7. मोबाइल फोन का आविष्कार किसने किया?
उत्तर: मार्टिन कूपर
प्रश्न 8. भारतीय संविधान के अनुसार भारत किस प्रकार का राज्य है?
उत्तर: संघीय
प्रश्न 9. 'जो कभी बूढ़ा न हो' — उसके लिए एक शब्द क्या होगा?
उत्तर: अजर
प्रश्न 10. मानव शरीर में सबसे छोटी हड्डी कौन-सी होती है?
उत्तर: स्टेप्स

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Camera – (कैमरा) – कैमरा
Photograph – (फोटोग्राफ) – छायाचित्र
Album – (एल्बम) – चित्र-संग्रह
Video – (वीडियो) – वीडियो
Microphone – (माइक्रोफोन) – ध्वनिवर्धक यंत्र
Speaker – (स्पीकर) – ध्वनि-विस्तारक
Recording – (रिकॉर्डिंग) – ध्वनि / वीडियो रिकॉर्ड

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: "तुम ... नहीं करते/करती हो" (You do not ...)

तुम नहीं पढ़ते/पढ़ती हो। – You do not read.
तुम नहीं लिखते/लिखती हो। – You do not write.
तुम नहीं खेलते/खेलती हो। – You do not play.
तुम खाना नहीं खाते/खाती हो। – You do not eat food.
तुम अंग्रेज़ी नहीं सीखते/सीखती हो। – You do not learn English.

संकलन:-
सुनील कुमार राम
प्रधान शिक्षक
Govt. PS चिउटाहां
बगहा-2, प. चम्पारण

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

1. 26 मई को भारत के किस महान समाज सुधारक और ब्रह्म समाज के संस्थापक की जयंती मनाई जाती है? (दिवस ज्ञान)
उत्तर: राजा राममोहन राय
व्याख्या: 26 मई 1772 को जन्मे राजा राममोहन राय को 'भारतीय पुनर्जागरण का अग्रदूत' कहा जाता है। उन्होंने सती प्रथा जैसी कुप्रथाओं के विरुद्ध ऐतिहासिक संघर्ष किया, जिसके फलस्वरूप 1829 में इस पर कानूनी रोक लगी। वे आधुनिक भारत के निर्माण और सामाजिक चेतना के प्रसार के मुख्य प्रणेता थे।
संदर्भ: Ministry of Culture, India (2026).

2. हाल ही में मई 2026 में किस देश ने पर्यावरण संरक्षण हेतु अपनी तरह का पहला 'हरित कर (Green Tax) कानून' पारित किया है? (समसामयिकी)
उत्तर: न्यूजीलैंड
व्याख्या: मई 2026 में न्यूजीलैंड सरकार ने कार्बन उत्सर्जन को न्यूनतम करने और सतत औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए अत्यधिक प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों पर विशेष 'हरित कर' लगाने की घोषणा की है। यह वैश्विक जलवायु परिवर्तन नीतियों के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण समसामयिक कदम है।
संदर्भ: International Environmental Law Journal, May 2026.

3. प्रसिद्ध बौद्ध दार्शनिक और कनिष्क के समकालीन नागार्जुन द्वारा रचित 'माध्यमिक कारिका' पुस्तक किस मुख्य सिद्धांत पर आधारित है? (पुस्तक - लेखक)
उत्तर: शून्यता का सिद्धांत
व्याख्या: आचार्य नागार्जुन को 'भारत का आइंस्टीन' भी कहा जाता है। उन्होंने अपनी प्रसिद्ध कृति 'माध्यमिक कारिका' में सापेक्षतावाद और 'शून्यवाद' (शून्यता) का प्रतिपादन किया। मौर्योत्तर कालीन भारतीय दर्शन और वैज्ञानिक तार्किकता को समझने के लिए यह एक कालजयी ग्रंथ है।
संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 9 Vital Villages, Thriving Towns (Buddhism Context)

4. वायुमंडल में पाई जाने वाली गैसों के संघटन के अंतर्गत चौथी सबसे बड़ी मात्रा वाली गैस कौन सी है? (पर्यावरण)
उत्तर: कार्बन डाइऑक्साइड
व्याख्या: वायुमंडल में सर्वाधिक मात्रा नाइट्रोजन (78%), फिर ऑक्सीजन (21%) और तीसरी आर्गन (0.93%) की है। इसके बाद चौथी सबसे बड़ी मात्रा कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2) की है जो केवल 0.03% पाई जाती है। यह गैस अत्यंत कम होने के बावजूद पृथ्वी के ऊष्मा संतुलन (Heat Budget) के लिए अनिवार्य है।
संदर्भ: NCERT Class 7 Geography, Ch 4 Air, p. 20.

5. प्राचीन भारत में रेशम मार्ग (Silk Route) पर व्यापार करने वाले उन व्यापारियों के काफिले के नेता को क्या कहा जाता था जो दूर-दराज के क्षेत्रों में व्यापार का नेतृत्व करते थे? (इतिहास)
उत्तर: सार्थवाह
व्याख्या: प्राचीन भारत में लंबी दूरी का व्यापार करने वाले व्यापारियों के समूह को 'सार्थ' और उनके मुखिया या नेता को 'सार्थवाह' कहा जाता था। मौर्योत्तर और गुप्त काल में देश के भीतर और विदेशों (जैसे रोम और चीन) के साथ होने वाले व्यापारिक प्रबंधों में सार्थवाहों की भूमिका अत्यंत प्रभावशाली और महत्वपूर्ण होती थी।
संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 9 Vital Villages, Thriving Towns / Ch 10, p. 105.

"सामान्य-ज्ञान"

6. भूमध्य रेखा (विषुवत वृत्त) के पास 5^{\circ} उत्तरी और 5^{\circ} दक्षिणी अक्षांशों के बीच स्थित अत्यंत शांत वायुमंडलीय पेटी को किस नाम से जाना जाता है? (भूगोल)
उत्तर: डोलड्रम (Doldrums)
व्याख्या: इस क्षेत्र को 'भूमध्यरेखीय निम्नदाब पेटी' (Equatorial Low Pressure Belt) या 'डोलड्रम' कहा जाता है। यहाँ अत्यधिक गर्मी के कारण हवाएं गर्म होकर ऊपर उठती हैं, जिससे धरातल पर वायु की गति अत्यंत मंद और शांत रहती है। प्राचीन काल में हवा न होने के कारण यहाँ पाल वाले जहाजों को आगे बढ़ने में कठिनाई होती थी।
संदर्भ: NCERT Class 7 Geography, Ch 4 Air, p. 23 (Wind Belt Diagram).

7. भारतीय संविधान का 'अनुच्छेद 20' देश के नागरिकों को अपराधों के लिए दोषसिद्धि के संबंध में कौन सा महत्वपूर्ण संवैधानिक संरक्षण प्रदान करता है? (संविधान)
उत्तर: मनमानी सजा से संरक्षण
व्याख्या: अनुच्छेद 20 के तहत तीन मुख्य अधिकार प्राप्त हैं: पहला, किसी व्यक्ति को तब तक अपराधी नहीं माना जाएगा जब तक उसने किसी लागू कानून का उल्लंघन न किया हो; दूसरा, एक अपराध के लिए केवल एक ही बार सजा दी जा सकती है (दोहरे दंड से मुक्ति); और तीसरा, किसी भी व्यक्ति को स्वयं के विरुद्ध गवाही देने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता।
संदर्भ: NCERT Class 11 Pol. Science, Ch 2 Rights in the Indian Constitution, p. 32.

8. मानव शरीर में श्वसन की प्रक्रिया के दौरान उत्पन्न होने वाली 'कार्बन डाइऑक्साइड' गैस का मुख्य रूप से रक्त के किस घटक द्वारा फेफड़ों तक परिवहन किया जाता है? (विज्ञान)
उत्तर: प्लाज्मा (Plasma)
व्याख्या: रक्त का तरल भाग 'प्लाज्मा' कहलाता है। कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2) जल में अत्यधिक घुलनशील होती है, इसलिए हमारे शरीर की कोशिकाओं से निकलने वाली लगभग 70% से अधिक CO_2 रक्त प्लाज्मा में बाईकार्बोनेट के रूप में घुलकर फेफड़ों तक पहुँचती है, जहाँ से इसे उच्छ्वसन (Exhalation) द्वारा बाहर निकाल दिया जाता है।

9. सुप्रसिद्ध 'मथुरा कला शैली' के अंतर्गत जैन धर्म के तीर्थंकरों की मूर्तियाँ मुख्य रूप से कहाँ स्थित किस प्राचीन स्तूप और पुरास्थल के अवशेषों से भारी मात्रा में प्राप्त हुई हैं? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: कंकाली टीला
व्याख्या: मथुरा का 'कंकाली टीला' जैन कला और वास्तुकला का एक ऐतिहासिक केंद्र रहा है। कुषाण काल में यहाँ से लाल बलुआ पत्थर से निर्मित कई जैन तीर्थंकरों की मूर्तियाँ, अयागपट्ट (पूजा की पट्टियाँ) और स्तूप के अवशेष मिले हैं, जो प्राचीन भारत में जैन धर्म के प्रसार और कलात्मक वैभव की प्रामाणिक गवाही देते हैं।
संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 9 Vital Villages, Thriving Towns (Towns context) / ASI Records

10. बिहार के किस ऐतिहासिक जिले में सम्राट अशोक का सुप्रसिद्ध 'रैम्पूवा' (रामपुरवा) स्तंभ स्थित था, जिसका नक्काशीदार बैल (वृषभ शीर्ष) आज राष्ट्रपति भवन में सुरक्षित है? (बिहार GK)
उत्तर: पश्चिमी चम्पारण
व्याख्या: पश्चिमी चम्पारण जिले के गौनाहा प्रखंड के पास स्थित 'रामपुरवा' मौर्यकालीन कला का एक अद्वितीय केंद्र है। यहाँ अशोक के दो स्तंभ मिले थे—एक के शीर्ष पर सिंह था और दूसरे पर एक अत्यंत सुंदर नक्काशीदार पॉलिशदार बैल (Bull) बना था। इस वृषभ शीर्ष की कलात्मक श्रेष्ठता के कारण इसे वर्तमान में नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन के मुख्य द्वार पर संरक्षित किया गया है।
संदर्भ: बिहार पुरातत्व निदेशालय (Directorate of Archaeology, Bihar) /

"सामान्य-ज्ञान"

11. सुरक्षित शनिवार कैलेंडर के अनुसार, भीषण गर्मी और लू (Heatwave) के दिनों में बच्चों को निर्जलीकरण (Dehydration) से बचाने के लिए किस घरेलू प्राकृतिक पेय का सेवन सबसे उत्तम माना जाता है? (विद्यालय सुरक्षा)

उत्तर: आम का पन्ना

व्याख्या: मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के मई सप्ताह-4 (लू से बचाव) के दिशा-निर्देशों के अनुसार, शरीर में पानी और आवश्यक लवणों की कमी को रोकने के लिए बच्चों को नियमित अंतराल पर स्वच्छ पेयजल के साथ-साथ कच्चे आम का पन्ना, बेल का शरबत, लस्सी या नींबू पानी देना चाहिए। यह पेय शरीर के आंतरिक तापमान को नियंत्रित रखता है और अचानक होने वाले सनस्ट्रोक से रक्षा करता है।

12. यदि किसी निश्चित तार्किक कूट में 'BRAIN' को 'CSBJO' लिखा जाता है, तो उसी नियम के आधार पर 'LOGIC' को क्या लिखा जाएगा? (रीजनिंग)

उत्तर: MPhJD

व्याख्या: इस तार्किक अनुक्रम में वर्णमाला का प्रत्येक अक्षर अपने से ठीक 1 स्थान आगे बढ़ रहा है (B+1=C, R+1=S, A+1=B \dots)। इसी नियम के अनुसार: L+1=M, O+1=P, G+1=H, I+1=J, C+1=D होगा। यह रीजनिंग बच्चों में अक्षरात्मक अनुक्रम की त्वरित मानसिक पहचान क्षमता को सुदृढ़ करती है।

संदर्भ: Mental Ability and Logical Aptitude Core Modules (2026).

GK संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Fragile (फ्रैजाइल) = Delicate (डेलिकेट) = नाज़ुक
Antonym – Durable (ड्यूरेबल) = टिकाऊ / मजबूत
Glance (ग्लांस) = Peek (पीक) = एक नज़र डालना
Antonym – Stare (स्टेयर) = घूरकर देखना
Hostility (हॉस्टिलिटी) = Enmity (एनमिटी) = शत्रुता
Antonym – Friendliness (फ्रेंडलिनेस) = मित्रता
Imitate (इमिटेट) = Mimic (मिमिक) = नकल करना
Antonym – Originate (ओरिजिनेट) = मौलिक रूप से उत्पन्न करना
Jaded (जेडेड) = Exhausted (एग्जॉस्टेड) = थका हुआ / ऊबा हुआ
Antonym – Energetic (एनर्जेटिक) = ऊर्जावान

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

Government launches 'Project Bharat-Param 4.0'; C-DAC unveils India's first 200-Petaflops AI-Supercomputer for real-time monsoon prediction.
केंद्र सरकार ने 'प्रोजेक्ट भारत-परम 4.0' की घोषणा की; सी-डैक (C-DAC) ने देश का पहला 200-पेटाफ्लॉप्स क्षमता वाला एआई-सुपरकंप्यूटर राष्ट्र को समर्पित किया, जो सटीक मॉनसूनी वर्षा और चक्रवातों का रीयल-टाइम पूर्वानुमान जारी करेगा।

Ministry of Corporate Affairs integrates 'MCA-21' portal with Web3 blockchain technology to completely eliminate shell-company fraud.
कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय ने अपने MCA-21 पोर्टल को वेब3 ब्लॉकचेन तकनीक के साथ अपग्रेड किया; इस कदम से फर्जी (शेल) कंपनियों के गठन और वित्तीय हेरफेर पर पूरी तरह से रोक लगेगी।

ISRO and National Institute of Oceanography successfully deploy 'Samudra-Aura' autonomous deep-sea gliders to map tectonic faults in the Indian Ocean.
इसरो और राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान ने संयुक्त रूप से 'समुद्र-ऑरा' नामक स्वायत्त गहरे समुद्र के ग्लाइडर्स तैनात किए हैं; ये ग्लाइडर्स हिंद महासागर की तली में टेक्टोनिक फॉल्ट्स की मैपिंग करेंगे, जिससे सुनामी की सटीक चेतावनी पहले मिल सकेगी।

INTERNATIONAL NEWS

UN Security Council passes 'The Autonomous Weapons Ban Resolution'; prohibits deployment of fully AI-driven lethal weapons without human oversight.
संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने 'स्वायत्त हथियार प्रतिबंध संकल्प' पारित किया; बिना मानवीय निगरानी या नियंत्रण (Human-in-the-loop) के पूरी तरह से एआई-संचालित घातक हथियारों (Lethal Autonomous Weapons) के युद्ध में उपयोग पर वैश्विक प्रतिबंध लगाया गया।

BBC News: Cambridge researchers successfully develop 'Graphite-Based Artificial Leaves' that convert atmospheric CO2 into liquid methanol fuel.
बीबीसी न्यूज़: कैंब्रिज विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने 'ग्राफाइट-आधारित कृत्रिम पत्तियां' (Artificial Leaves) विकसित की हैं; ये पत्तियां सूर्य के प्रकाश की उपस्थिति में वायुमंडलीय कार्बन डाइऑक्साइड को सोखकर उसे सीधे लिक्विड मेथनॉल ईंधन में बदल देती हैं।

WHO pre-qualifies 'Dengue-Shield', the world's first single-dose single-variant vaccine against all four strains of Dengue; manufactured in India.
विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने डेंगू के सभी चार उपभेदों (strains) के खिलाफ दुनिया के पहले सिंगल-डोज टीके 'डेंगू-शील्ड' को वैश्विक उपयोग के लिए मंजूरी दी; इसका उत्पादन भारतीय फार्मा कंपनियों द्वारा किया जाएगा।

BIHAR NEWS

Bihar Government to build 'State Silk and Khadi Design Excellence Centre' in Bhagalpur to upgrade local handloom with modern fashion tech.
बिहार सरकार भागलपुर में 'राज्य रेशम और खादी डिजाइन उत्कृष्टता केंद्र' की स्थापना करेगी; इसके तहत स्थानीय बुनकरों को वैश्विक फैशन और आधुनिक डिजाइनिंग सॉफ्टवेयर का निशुल्क प्रशिक्षण देकर उनके उत्पादों के अंतरराष्ट्रीय निर्यात को बढ़ावा दिया जाएगा।

SCERT Bihar launches 'Vigyan-Darpan 2026'; mandates setting up of 5,000 smart tinkering labs in rural girls' high schools.
एससीईआरटी बिहार ने 'विज्ञान-दर्पण 2026' कार्यक्रम की शुरुआत की; इसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों के 5,000 बालिकाओं के उच्च विद्यालयों में 'स्मार्ट टिंकरिंग लैब्स' स्थापित की जाएंगी ताकि स्टेम (STEM) शिक्षा में छात्राओं की भागीदारी बढ़ सके।

SPORTS NEWS

Indian Shuttler Anupama Upadhyaya wins the 'Malaysia Masters 2026' Super 500 title; climbs into the top 10 of BWF World Rankings.
भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी अनुपमा उपाध्याय ने कुआलालंपुर में आयोजित मलेशिया मास्टर्स 2026 का महिला एकल खिताब अपने नाम किया; इस ऐतिहासिक जीत के साथ वे बीडब्लूएफ (BWF) विश्व रैंकिंग में शीर्ष 10 में शामिल हो गई हैं।

International Weightlifting Federation (IWF) introduces 'Biometric Grip-Sensors' on barbells for the upcoming World Championships to monitor illegal lifting angles.
अंतर्राष्ट्रीय भारोत्तोलक महासंघ ने आगामी विश्व चैंपियनशिप के लिए बारबेल में 'बायोमेट्रिक ग्रिप-सेंसर्स' तकनीक को शामिल करने की घोषणा की; यह तकनीक लिफ्टिंग के दौरान खिलाड़ियों के हाथों के दबाव और कोणों का सटीक विश्लेषण कर जजों को निष्पक्ष निर्णय लेने में सहायता करेगी।

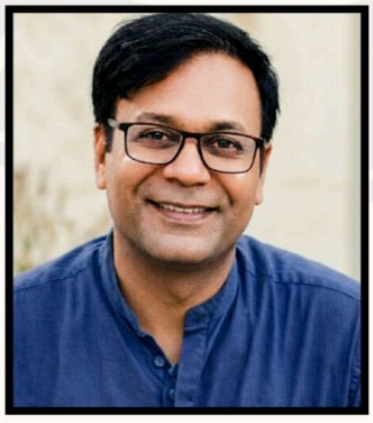

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

✍️ **संदेश:**

"ज्ञान हमेशा अद्यतन होना चाहिए, क्योंकि वर्तमान की सही समझ ही कल की सफलता का मार्ग प्रशस्त करती है। लगातार बढ़ते रहें।"

अनुभाग-6

प्रेरक प्रसंग

"पत्थर और मूर्तिकार"

एक नगर में एक प्रसिद्ध मूर्तिकार रहता था। एक दिन वह नदी किनारे पत्थर खोजने गया। वहाँ उसे दो बड़े पत्थर दिखाई दिए। वह दोनों को अपने साथ कार्यशाला में ले आया।

मूर्तिकार ने पहले पत्थर पर छेनी और हथौड़ी चलानी शुरू की। जैसे ही पहली चोट लगी, पत्थर चिल्लाया, "मुझे मत काटो, मुझे दर्द हो रहा है। मुझे छोड़ दो।"

मूर्तिकार ने उसे छोड़ दिया और दूसरे पत्थर पर काम शुरू किया। दूसरे पत्थर ने दर्द सहा, चोटें झेलीं, लेकिन कुछ नहीं कहा। दिन-रात मेहनत के बाद मूर्तिकार ने उसी पत्थर से भगवान की एक सुंदर प्रतिमा बना दी।

कुछ महीनों बाद उस प्रतिमा को मंदिर में स्थापित कर दिया गया। लोग दूर-दूर से आकर उस प्रतिमा के दर्शन करने लगे, फूल चढ़ाने लगे और श्रद्धा से सिर झुकाने लगे।

उधर पहला पत्थर मंदिर के बाहर सीढ़ी के रूप में लगा दिया गया। लोग उसी पर पैर रखकर मंदिर के अंदर जाते थे।

एक दिन पहले पत्थर ने दुखी होकर दूसरे पत्थर से पूछा, "हम दोनों एक ही जगह से आए थे। फिर लोग तुम्हारी पूजा क्यों करते हैं और मुझ पर पैर क्यों रखते हैं?"

प्रतिमा बने पत्थर ने मुस्कुराकर उत्तर दिया, "क्योंकि जब समय ने हमें तराशना चाहा, तब तुमने पहली ही चोट से हार मान ली। मैंने चोटें सही, कठिनाइयाँ झेली और खुद को गढ़ने दिया। आज वही संघर्ष मेरी पहचान बन गया है।"

शिक्षा:

जीवन की कठिनाइयाँ हमें तोड़ने नहीं, तराशने आती हैं। जो संघर्ष और चुनौतियों को धैर्यपूर्वक सह लेता है, वही आगे चलकर सम्मान और सफलता प्राप्त करता है।

.....✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-7

"शिक्षक संवर्धन"

विद्यालय में विद्युत उपकरणों की देखभाल कैसे करें?

विद्यालय में कई सारे विद्युत उपकरण रहते हैं। विद्यालय के विद्युत उपकरणों में आमतौर पर पंखा, बल्ब, स्विच, वायरिंग, कंप्यूटर, प्रोजेक्टर, स्पीकर आदि आते हैं । इन उपकरणों की नियमित देखभाल बहुत आवश्यक है। इसमें ढ़िलाई कई बार एक बड़ी दुर्घटना का कारण बन जाता है। नियमित देखभाल करते रहने से छोटी बड़ी खराबी तुरंत पकड़ में आ जाती है और इससे दुर्घटनाएं कम होती है। नियमित देखभाल से ये उपकरण लंबे समय तक सही रहते हैं। विद्युत उपकरणों की देखभाल हेतु निम्न उपाय अपनाए जा सकते हैं:

सर्वप्रथम विद्युत उपकरणों का प्रधानाध्यापक एवं वर्ग शिक्षक को नियमित निरीक्षण करना चाहिए। वर्ग कक्ष एवं बरामदे में लगे स्विच, बोर्ड, प्लग, तार आदि की समय-समय पर जांच करनी चाहिए। यदि कहीं भी कटे या खुले तार दिखाई दे तो उसे तुरंत बदलवा देना चाहिए।

ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए कि उपकरण उपयोग के बाद बंद कर दिया जाए। पंखा, लाइट, कंप्यूटर आदि उपयोग के बाद बंद करने की आदत विद्यालय के शिक्षक एवं छात्रों में विकसित करनी चाहिए। इससे उपकरण जहां सुरक्षित रहेंगे वहीं उनमें बिजली बचत की आदत भी विकसित होंगी।

विद्युत उपकरणों को उपयोग करते समय ओवरलोड से बचना चाहिए अर्थात एक ही बोर्ड में बहुत अधिक उपकरण नहीं लगाना चाहिए। लोड एवं आवश्यकता के अनुसार उचित क्षमता वाले बोर्ड, स्विच, MCB और वायर का प्रयोग करना चाहिए। धूल और नमी से इनकी सुरक्षा करनी चाहिए।

एम्प्लीफायर, स्पीकर, कंप्यूटर, प्रोजेक्टर, UPS आदि को भी धूल-मिट्टी से बचा कर रखने की व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए।

शिक्षकों एवं छात्रों को जानकारी देना चाहिए कि वे गीले हाथ से स्विच न छुएँ।

हाई एवं लो वोल्टेज की समस्या से निजात पाने के लिए विद्यालय में सही अर्थिंग होनी चाहिए। मेनस्वीच, MCB, फ्यूज आदि ठीक स्थिति में रहना चाहिए।

अगर विद्युत उपकरण खराब हो जाए तो उसकी मरम्मत केवल प्रशिक्षित व्यक्ति से कराना चाहिए। शिक्षक या छात्रों को स्वयं से बिजली उपकरणों की मरम्मत से पूरी तरह बचना चाहिए। आवश्यकता होने पर इलेक्ट्रीशियन को बुलाना चाहिए पैसा बचाने के चक्कर में खुद से मरम्मत में लग जाना एक बड़े खतरे को निमंत्रण देने के समान है। छोटे बच्चों को इस संबंध में जागरूक करते रहना चाहिए। उन्हें खुले तार या टूटे बोर्ड से दूर रहने की सलाह देनी चाहिए। बिजली उपकरणों से सुरक्षा संबंधी नियमों एवं जानकारी को प्रार्थना सभा में बताया जाना चाहिए।

विद्यालय में विद्युत उपकरणों के रख-रखाव का एक रजिस्टर रखना चाहिए। कौन-सा उपकरण कब खराब हुआ, कब मरम्मत कराया गया, इसका रिकॉर्ड संधारित रखना चाहिए।

कंप्यूटर एवं डिजिटल उपकरणों की विशेष देखभाल करनी चाहिए। UPS के उपयोग के प्रति शिक्षकों एवं छात्रों को जागरूक करना चाहिए।अचानक बिजली जाने पर सही तरीके से shutdown करना चाहिए।

इसके अतिरिक्त विद्यालयों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था रखनी चाहिए। विद्युत शॉर्ट सर्किट से बचाव हेतु अग्निशामक यंत्र रखना आवश्यक है। समय समय पर इसकी जांच भी करते रहनी चाहिए।

विद्युत उपकरणों की सुरक्षा एवं विवेकपूर्ण उपयोग से संबंधित छोटे छोटे संदेशों को विद्यालय के बाहरी एवं भीतरी दीवारों पर प्रदर्शित करना चाहिए।

" बिजली उपकरणों को छूने से बचें"

भींगे हाथ से स्विच ऑन आंफ न करें "

“बिजली बचाएँ सुरक्षा अपनाएँ

विद्यालय को सुरक्षित बनाएँ।” जैसे नारों के माध्यम से छात्रों में सुरक्षित उपयोग के संदेश देना चाहिए।

उपर अंकित तरीकों से हम अपने विद्यालय में विद्युत उपकरणों के विवेकपूर्ण उपयोग के प्रति शिक्षकों एवं छात्रों को जागरूक कर सकते हैं। तो आईए हम अपने विद्यालय में शिक्षकों एवं छात्रों को विद्युत उपकरणों की सुरक्षा के प्रति जागरूक करना सुनिश्चित करें।

.....

मनोज कुमार झा
प्रधानाध्यापक
राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय
बेतिया, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें।

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

"शिक्षक संवर्धन"

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की शृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026 बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयाह से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

संवाद सूत्र, जागरण• बगहाः बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार, राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक, संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोरः पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

सरकारी विद्यालयों मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकताः ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशाः 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

अनुभाग-8

"बिहार दर्शन : सीतामढ़ी, अंक–3"

मिथिला की लोकसंस्कृति, मैथिली परंपरा और सीमावर्ती समाज

'संपादकीय'

सीतामढ़ी मिथिला क्षेत्र की सांस्कृतिक परंपराओं का एक महत्वपूर्ण केंद्र है। यहाँ का सामाजिक जीवन भाषा, लोककला, पर्व-त्योहार, विवाह परंपराओं और धार्मिक आस्थाओं से गहराई से जुड़ा हुआ है। जिले की सांस्कृतिक संरचना पर मिथिला सभ्यता का स्पष्ट प्रभाव दिखाई देता है, जबकि नेपाल सीमा की निकटता ने इसमें अतिरिक्त विविधता जोड़ दी है।

मैथिली यहाँ की प्रमुख भाषा है। ग्रामीण क्षेत्रों में दैनिक संवाद मुख्यतः मैथिली में होता है, जबकि हिन्दी प्रशासनिक और शैक्षणिक कार्यों में व्यापक रूप से प्रयोग की जाती है। सीमावर्ती क्षेत्रों में नेपाली भाषा और उसके शब्दों का प्रभाव भी स्थानीय बोलचाल में दिखाई देता है। लोकजीवन में भाषा केवल संचार का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक पहचान का महत्वपूर्ण आधार मानी जाती है।

सीतामढ़ी की सांस्कृतिक पहचान में विवाह परंपराओं का विशेष स्थान है। मिथिला विवाह पद्धति अपने विस्तृत अनुष्ठानों और लोकगीतों के लिए प्रसिद्ध है। “समदाउन”, “नचारी”, “सोहर” और “विदाई गीत” आज भी ग्रामीण समाज में जीवित हैं। विवाह के अवसर पर महिलाएँ पारंपरिक मैथिली गीत गाती हैं, जिनमें सामाजिक संबंध, पारिवारिक भावनाएँ और लोकविश्वास अभिव्यक्त होते हैं।

Chhath Puja यहाँ का सबसे व्यापक लोकपर्व माना जाता है। बागमती, लखनदेई तथा स्थानीय तालाबों के घाटों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु सूर्योपासना करते हैं। इसके अतिरिक्त सामा-चकेवा, झिझिया और मधुश्रावणी जैसे पर्व मिथिला संस्कृति की विशिष्ट पहचान हैं। सामा-चकेवा विशेष रूप से भाई-बहन संबंध और प्रवासी पक्षियों से जुड़े लोकविश्वासों के कारण महत्वपूर्ण माना जाता है।

Janaki Mandir जिले की धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र है। विवाह पंचमी और रामनवमी के अवसर पर यहाँ विशेष आयोजन होते हैं। नेपाल के Janakpur से बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहाँ पहुँचते हैं। इस कारण सीतामढ़ी और जनकपुर के बीच सांस्कृतिक संपर्क निरंतर बना रहता है।

सीतामढ़ी में मिथिला पेंटिंग की परंपरा भी कुछ क्षेत्रों में देखने को मिलती है, हालाँकि इसका मुख्य केंद्र मधुबनी माना जाता है। ग्रामीण घरों की दीवारों और विवाह मंडपों में पारंपरिक चित्रांकन की स्थानीय शैली आज भी मौजूद है। लोककला में प्राकृतिक रंगों और धार्मिक प्रतीकों का प्रयोग सामान्य रूप से किया जाता है।

ग्रामीण हाट और मेले जिले के सांस्कृतिक जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। सोनबरसा, सुरसंड, रीगा और बैरगनिया क्षेत्रों के स्थानीय बाजार केवल व्यापारिक केंद्र नहीं, बल्कि सामाजिक संवाद के स्थान भी हैं। धार्मिक मेलों में स्थानीय हस्तशिल्प, कृषि उपकरण, पारंपरिक मिठाइयाँ और लोककलाएँ प्रमुख रूप से दिखाई देती हैं।

सीतामढ़ी का खानपान भी मिथिला संस्कृति से प्रभावित है। दही-चूड़ा, तरुआ, पुआ, मखाना आधारित व्यंजन और पारंपरिक मिठाइयाँ स्थानीय भोजन का हिस्सा हैं। पर्व-त्योहारों में विशेष पकवान बनाए जाते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी सामूहिक भोज की परंपरा सामाजिक संबंधों को मजबूत करने का माध्यम मानी जाती है।

सामाजिक संरचना की दृष्टि से यह जिला बहुजातीय और बहुधार्मिक स्वरूप रखता है। हिन्दू और मुस्लिम समुदायों के बीच पारंपरिक सामाजिक सहभागिता कई क्षेत्रों में स्पष्ट दिखाई देती है। ईद, मुहर्रम, दुर्गापूजा और छठ जैसे अवसरों पर सामुदायिक सहयोग स्थानीय सामाजिक जीवन की विशेषता माना जाता है।

सीतामढ़ी की सांस्कृतिक संरचना यह दर्शाती है कि मिथिला केवल एक भौगोलिक क्षेत्र नहीं, बल्कि एक जीवित सांस्कृतिक परंपरा है। यहाँ लोकगीतों, भाषाओं, पर्वों और धार्मिक आस्थाओं के माध्यम से सदियों पुरानी सामाजिक स्मृतियाँ आज भी सक्रिय रूप में दिखाई देती हैं।

.....

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org